

# आइआइटी-आइआइएम इंदौर भी अब चल रहे हिंदी की डगर

**विश्व हिंदी दिवस आज** ● संस्थान रोज जारी कर रहा हिंदी के शब्द

गजेन्द्र विश्वकर्मा • इंदौर

देश के उच्च शिक्षण संस्थान भी अब हिंदी में काम करने के लिए विद्यार्थियों और प्रोफेसरों को प्रेरित कर रहे हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर और भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर भी इसमें अहम भूमिका निभा रहे हैं। आइआइटी इंदौर तो रोज हिंदी का एक नया शब्द संस्थान के विद्यार्थियों और प्रोफेसरों को जारी कर रहा है और उसके अर्थ और उपयोग की जानकारी दे रहा है। संस्थान ने हिंदी में कार्य करने की शैली को बढ़ावा देने के लिए हिंदी शब्दावली भी जारी की है। इसमें पाठ्यक्रमों में शामिल अंग्रेजी के कठिन शब्दों को हिंदी में दिया गया है। संस्थान ने अपने आधिकारिक पोर्टल के मुख्य पेज पर आज का शब्द नाम से विकल्प बना रखा है। इसमें रोज के काम में बोले और लिखे जाने वाले हिंदी के

## हिंदी हैं हम

शब्दों को जारी किया जाता है। हिंदी ही नहीं संस्कृत को भी बढ़ावा देने के लिए आइआइटी काम कर रहा है। संस्थान में हाल ही में संस्कृत विषय में लघु पाठ्यक्रम भी कराया गया था। संस्थान प्रशासनिक पत्र और विज्ञापन में हिंदी के उपयोग से आगे बढ़ते हुए कार्यशाला भी हिंदी भाषा में करा रहा है।

संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन का कहना है कि जहां ज्यादातर हिंदी को जानने वाले मौजूद हों, वहां हिंदी में ही बात करने पर जोर देना चाहिए। कई विज्ञान और तकनीक के सामान्य विषयों की जानकारी हम हिंदी में देने की कोशिश करते हैं।

### आरआरकेट और डीएवीवी भी आगे आए

हिंदी को बढ़ावा देने का ऐसा ही प्रयास आइआइएम इंदौर भी कर रहा है। संस्थान ने अपने आधिकारिक पोर्टल को अंग्रेजी के साथ हिंदी में भी जारी किया है। संस्थान प्रशासनिक पत्रों के साथ ही प्रेस विज्ञापित हिंदी में जारी करने लगा है। संस्थान के निदेशक प्रो. हिमांशु राय का कहना है शहरों से लेकर गांवों तक हिंदी को समझा जाता है इसलिए शिक्षण संस्थानों को इसे बढ़ावा देना चाहिए। राजा रमत्रा प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआरकेट) में भी ज्यादातर काम हिंदी में ही किए जा रहे हैं। तकनीकी सूचनाएं भी हिंदी में ही जारी की जा रही हैं। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में भी ज्यादातर काम हिंदी में किया जाता है।